लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम .... दैनिक जागरण

दिनांक 10 : 12 : 2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 4-8

बैंगनी, नीले और काले रंग का गेहूं पैदा करेगा एचएयू

वैभव शर्मा • हिसार

अब आपके लिए गेहूं की चपाती महज खाने की चीज नहीं होगी बल्कि यह दवाओं का काम करेगी। सामान्य लोग ही नहीं बल्कि घरों में कैंसर या शुगर के मरीज दोनों के लिए यह गेहूं की चपाती लाभकारी रहेगी। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू)बैंगनी, नीले और काले रंग का गेहूं उगाने जा रहा है। इन रंगों में ही गेहूं की औषधीय क्षमता का राज छिपा हुआ है। इस गेहूं की खोज मोहाली के नेशनल एग्री फूड बॉयोटेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट की गेहूं विज्ञानी डॉ. मोनिका गर्ग ने की है। यह गेहूं लोगों तक पहुंच सके इसके लिए एचएयू से कुलपति प्रो. केपी सिंह के निर्देशन में डायरेक्टर रिसर्च डॉ. एसके सहरावत ने नेशनल एग्री फूड बॉयोटेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट के अधिकारियों के साथ अनुबंध किया है। इसके तहत इस रंग-बिरंगे गेहूं को एचएयू में इस बार बोया भी गया है।

50 से 60 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की उपज देते हैं सामान्य गेहूं

30 से 32 क्विंटल प्रति हेक्टेयर ही होती है रंगीन गेहूं की उपज

हिसार के एचएयू में बैंगनी, नीले, काले और सफेद रंग के गेहूं। • जागरण

शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने का काम करता है एंथोस्यानिन्स पिग्मेंटेशन

रंगीन गेहूं पर काम कर रहे एचएयू के गेहूं विज्ञानी डॉ. ओपी बिश्नोई बताते हैं कि बैंगनी, नीले और काले रंग के गेहूं में एंथोस्यानिन्स पिग्मेंटेशन पाया जाता है। यह तत्व शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने का काम करता है। यह रंगीन फल जैसे ब्लैक बैरी, जामुन, काले अंगूरों में पाया जाता है। इसके साथ ही इसमें एंटी ऑक्सीडेंट गुण भी है। सामान्य गेहूं 50 से 60 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की उपज देते हैं मगर ये रंगीन गेहूं 30 से 32 क्विंटल प्रति हेक्टेयर ही होती है। इसलिए एचएयू के गेहूं विज्ञानी मोहाली की गेहूं विज्ञानी के साथ मिलकर इन गेहूं से ऐसे बीज विकसित करेंगे, जिससे 30 क्विंटल से बढ़कर उत्पादन 45 से 50 क्विंटल तक पहुंच जाए। काले रंग के गेहूं का बीज कुछ क्षेत्रों में किसान उगा भी रहे हैं। मगर यह अधिक चलन में नहीं हैं।

गरीबों को राशन में मिले तो दूर हो जाए कुपोषण की समस्या

डॉ. बिश्नोई बताते हैं कि बैंगनी, नीले व काले रंग के गेहूं में 40 से 140 पीपीएम एंथोस्यानिन्स तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकालने की वजह से इस गेहूं के आटे से बनी चपाती कैंसर, शुगर, कार्डियोवास्कुलर एवं अन्य डिसआर्डर में मरीजों के लिए काफी लाभदायक है। इसके साथ ही अगर सरकारी राशन में गरीबों को रंगीन गेहूं से बना आटा दिया जाए तो कुपोषण की समस्या को भी दूर किया जा सकता है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 10.12.2019 पृष्ठ सं. 18 कॉलम 1-4

हों जागरूक | सब्जियों में कीटों की समस्या से परेशान रहते हैं किसान, मित्र पक्षियों को करना होगा आकर्षित

जैविक तरीकों से कीटों पर पाएं नियंत्रण

जागरण संवाददाता, हिसार : सब्जियों में कीटों की समस्या अक्सर किसानों को झेलनी पड़ती है। सर्दी हो या गर्मी किसानों को इससे जूझना पड़ता है। इसके लिए किसान जैविक तरीकों से कीटों पर नियंत्रण पा सकते हैं।

एचएयू के सब्जी विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक बताते हैं कि भारत में हरित क्रांति का मुख्य उद्देश्य देश को खाद्य मामले में आत्मनिर्भर बनाना था, लेकिन इस बात की आशंका किसी को नहीं थी कि सब्जियों में कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रयोग न केवल खेतों को बंजर बना देगा बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाएगा। क्योंकि देश में अधिकांश किसान परंपरागत खेती से दूर होते जा रहे हैं। यह चिंतनीय है।

किसानों के अधिक लालच के कारण कीटनाशकों के अत्यधिक व अनावश्यक मात्रा में प्रयोग से कृषि भूमि को बंजर बना दिया है। सरकार ने भी किसानों के हित में परंपरागत कृषि की ओर लौटने के लिए परंपरागत कृषि विकास योजना भी शुरू की है।

परभक्षी एवं परजीवी कीटों पर नियंत्रण जरूरी

किसान लाभदायक मित्र कीट एवं जीवों का संरक्षण कर व इनकों प्रोत्साहन देकर तथा इनके लार्वा का खेत में प्रयोग करके हानिकारक कीटों का बिना किसी कीटनाशकों के नियंत्रण किया जा सकता है। इनमें मेंटिस, लेडी बर्ड बीटल, केटेसिया, क्राइसोपरला, ट्राईकोडर्मा कीट, मकड़ी, झींगुर, चीटिंया, ततैया, रोवर फ्लाई, मड वेस्प, ड्रेगन फ्लाई एवं सिरकिड फ्लाई आदि शामिल है।

खेत खलिहान

इस तरह से सब्जियों पर कीटों का आक्रमण रोका जा सकता है

पक्षियों के द्वारा कीट नियंत्रण मित्र पक्षियों के माध्यम से सब्जियों पर कीट नियंत्रण किया जा सकता है। मित्र पक्षियों को आकर्षित करने के लिए सब्जियों के खेतों की मेड़ों पर लकड़ी की खप्पचियां लगाएं।

नीम के माध्यम से बचाव

पांच किलो निंबोलियों को अच्छी प्रकार से धूप में सुखाकर बारीक पीस लें। इसमें 5 लीटर पानी लेकर उस पाउडर को 12 घंटे के लिए भिगो दें। इसके बाद इस घोल को मोटे कपड़े से छान लें। इस घोल में 100 लीटर पानी मिलाकर प्रति एकड़ के हिसाब से खेतों में छिड़काव करें। इसका प्रयोग टमाटर, भिंडी, मिर्च व बेल वाली सब्जियों में नुकसान पहुंचाने वाले कीट पर प्रभावी होता है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......अमर उजाला......
दिनांक 10.12.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-6

एमडीयू रोहतक, जीएनडीयू अमृतसर की टीमें फाइनल में

एचएयू में चल रही उत्तर क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय महिला क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल आज

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में चल रही उत्तर क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में सोमवार को सेमीफाइनल मैच खेले गए।

इस दौरान गुरु नानक देव विश्वविद्यालय (जीएनडीयू) अमृतसर ने पीयू (पंजाब विश्वविद्यालय) चंडीगढ़ को छह विकेट और महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) रोहतक ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू) शिमला का 9 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दोनों विजेता टीमों के बीच मंगलवार को फाइनल मैच खेला जाएगा।

अमृतसर व चंडीगढ़ के बीच खेले गए मैच के बाद अधिकारियों के साथ दोनों टीमों की खिलाड़ी। - अमर उजाला

चैंपियन की तरह खेली रोहतक की टीम

रोहतक और शिमला के बीच खेले गए मैच में रोहतक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पिछली बार रोहतक की टीम इस प्रतियोगिता में चैंपियन बनी थी। इस मैच में भी वह चैंपियन की तरह ही खेली। यह मैच 30-30 ओवर का था। शिमला की टीम निर्धारित 30 ओवर में सिर्फ 69 रन ही बना सकी। टीम को दो बल्लेबाज ही दहाई के आंकड़े को छू सकी, जबकि दो बल्लेबाज बिना कोई रन बनाए ही पैवेलियन लौट गई।

रोहतक की टीम ने 14.4 ओवर में हासिल कर लिया लक्ष्य : रोहतक की तरफ से शीतल राणा ने तीन और प्रियंका व प्रिया ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में उतरी रोहतक की टीम ने यह लक्ष्य 14.4 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। रोहतक की बल्लेबाज भावना ने सर्वाधिक नाबाद 41 रन बनाए। वहीं शिमला की तरफ से एकमात्र विकेट ललिता ने लिया।

रोहतक की तरफ से शीतल राणा ने तीन और प्रियंका व प्रिया ने दो-दो विकेट लिए, बल्लेबाज भावना ने सर्वाधिक नाबाद 41 रन बनाए

चंडीगढ़ को कम स्कोर पर समेटा

चंडीगढ़ व अमृतसर के बीच खेले गए मैच में चंडीगढ़ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 59 रन बनाए। चंडीगढ़ की तरफ से शिवांगी ने सबसे ज्यादा 23 रन बनाए। इसके अलावा नंदिनी ने 19 रनों का योगदान दिया। अमृतसर की तरफ से नीतू, यमुना व नीलम ने दो-दो और कोमलप्रीत व सुनीता ने एक-एक विकेट लिया। जवाब में उतरी अमृतसर की टीम ने 16.4 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 60 रन बनाकर मैच जीत लिया। अमृतसर की तरफ से प्रिया ने सर्वाधिक 23 रन बनाए। इसके अलावा सिमरन ने 18 रन बनाए। चंडीगढ़ की तरफ से शिबी ने दो विकेट लिए। इससे पहले मैच का शुभारंभ हरियाणा ओलंपिक संघ के सचिव बिजेंद्र लोहान ने किया। इस मौके पर डॉ. सुशील लेगा, डॉ. बलजीत गिरधर, डॉ. कमल किशोर, डॉ. एसएस जसवाल, ओपी भादू, रणधीर ढाका, रमेश चौधरी, इंदू चौधरी आदि मौजूद रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...... पंजाब केसरी ......
दिनांक 10.12.2019 ...... पृष्ठ सं. 4 ...... कॉलम 7-8 ......

आज अमृतसर यूनिवर्सिटी व एम.डी.यू. रोहतक के बीच होगा क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला

पी.यू. चंडीगढ़ व शिमला यूनिवर्सिटी सैमीफाइनल में हारकर हुई प्रतियोगिता से बाहर

हिसार, 9 दिसम्बर (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा विश्वविद्यालय में चल रही नॉर्थ जोन अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में सोमवार को 2 सैमीफाइनल मैच खेले गए। पहला सैमीफाइनल हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मैदान में गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर व पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के बीच खेला गया। जबकि दूसरा सैमीफाइनल मैच गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के मैदान में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक तथा शिमला विश्वविद्यालय के बीच खेला गया। मैच का शुभारंभ हरियाणा ओलिम्पिक संघ के सचिव वीरेंद्र सिंह लोहान ने दोनों टीमों का परिचय लेकर किया।

ये रहे विजेता

पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 59 रन बनाए। जवाब में गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर ने 60 रन का लक्ष्य 4 विकेट खोकर 16.4 ओवर में प्राप्त कर फाइनल मैच में प्रवेश किया।

जबकि शिमला विश्वविद्यालय ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 69 रन का लक्ष्य रखा। जिसे महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की टीम ने एक विकेट खोकर 13.4 ओवर में प्राप्त कर फाइनल में प्रवेश प्राप्त किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 10.12.2019 पृष्ठ सं. 17 कॉलम 2-3

क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में भिड़ेंगी एमडीयू व जीएनडीयू

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा विश्वविद्यालय में चल रही नोर्थ जोन अंतरविश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में सोमवार को दो सेमीफाईनल खेले गए। पहला सेमीफाइनल, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मैदान में गुरूनानकदेव विश्वविद्यालय, अमृतसर व पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के बीच खेला गया। जिसमें अमृतसर ने यह मुकाबला जीता तो दूसरा सेमीफाइनल जीजेयू के मैदान में महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक तथा शिमला विश्वविद्यालय के बीच खेला गया। जिसमें रोहतक ने मैच जीता, दोनों टीमें फाइनल में प्रवेश कर गई हैं। इस मैच का शुभारंभ हरियाणा ओलंपिक संघ के सचिव वीरेन्द्र सिंह लोहान ने दोनों टीमों का परिचय लेकर किया। उन्होंने दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी। हकृवि के वित्त नियन्त्रक डॉ. अतुल ढिंगरा ने खिलाडियों को आशीर्वाद दिया।

दोनों मैचों का यह रहा परिणाम

पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ की टीम ने पहले टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में आठ विकेट पर 59 रन बनाए। जवाब में गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर ने 60 रन का लक्ष्य 4 विकेट खो कर 16 .4 ओवर में प्राप्त कर फाईनल मैच में प्रवेश किया। जबकि शिमला विश्वविद्यालय ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 69 रन का लक्ष्य रखा जिसे महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक की टाम ने एक विकेट खो कर 13 .4 ओवर में प्राप्त कर फाईनल में प्रवेश प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ. देवेन्द्र ढुल, खेल निदेशक, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ की तरफ से आबजर्वर उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...........हरि भूमि...........
दिनांक 10.12.2019 .... पृष्ठ सं. 11 .... कॉलम 7-8 ....

फाइनल में भिड़ेंगे एमडीयू व गुरुनानक देव विवि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि में चल रही नोर्थ जोन अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में एमडीयू रोहतक और गुरुनानक देव विवि अमृतसर के बीच मुकाबला होगा। सोमवार को खेले गए सेमीफाइनल मैच में

■ नॉर्थ जोन अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मैच के हुए मुकाबले

गुरुनानक देव विवि अमृतसर ने पंजाब विवि चंडीगढ़ को छह विकेट से पराजित किया। दूसरे सेमीफाइनल मैच में एमडीयू रोहतक ने शिमला विवि को नौ विकेट से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया।

पहले सेमीफाइनल मैच में पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ की टीम ने पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में आठ विकेट पर 59 रन बनाए। जवाब में गुरु नानकदेव विश्वविद्यालय अमृतसर ने 60 रन का लक्ष्य 4 विकेट खोकर 16.4 ओवर में प्राप्त कर फाइनल में प्रवेश किया।

दूसरे सेमीफाइनल मैच में शिमला विश्वविद्यालय ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 69 रन का लक्ष्य रखा। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की टीम ने एक विकेट खोकर 13.4 ओवर में प्राप्त कर फाइनल में प्रवेश प्राप्त किया।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ. देवेंद्र ढुल, भारतीय विश्वविद्यालय संघ की तरफ से ऑब्जर्वर उपस्थित थे। इस अवसर पर गुजवि प्रोक्टर डॉ. विनोद बिश्नोई, हरियाणा ओलंपिक संघ के सचिव वीरेंद्र सिंह लोहान, केश कला एवं कौशल विकास बोर्ड के सदस्य ण सेलपाड़ उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.......सिटी पल्स.......
दिनांक 9.12.2019 ..... पृष्ठ सं. 1 ..... कॉलम 2-5

एचएयू के खिलाड़ियों को जल्द मिलेगा आधुनिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एस्ट्रोटर्फ

खेलो इंडिया स्कीम के तहत 4 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से बिछाया जा रहा है एस्ट्रोटर्फ

डी. एस. नांदवाल

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) व हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को जल्द ही एक आधुनिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एस्ट्रोटर्फ मिलने जा रहा है। गिरी सैंटर में इस एस्ट्रोटर्फ का निर्माण कार्य प्रगति पर है और उम्मीद है कि इस महीने के अंत तक इसको खिलाड़ियों को सौंप दिया जाएगा। नए एस्ट्रोटर्फ के बिछाने का कार्य पिछले साल मार्च में शुरू किया गया था। केंद्र सरकार के खेल मंत्रालय ने खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नया अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एस्ट्रोटर्फ बिछाने के लिए 4 करोड़ 65 लाख रुपए की ग्रांट जारी की थी। पुराने एस्ट्रोटर्फ के सरफेस को उखाड़ दिया गया है और एक विशेष प्रकार के रबड़ को सैलुशन के साथ चिपकाकर इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सह निदेशक (खेल) सुशील लेगा के अनुसार नया एस्ट्रोटर्फ 8 लेन का होगा।

हिसार। एचएयू में नए एस्ट्रोटर्फ बिछाए जाने का दृश्य।

4 करोड़ 65 लाख रुपए की आएगी लागत

4 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से बिछाए जा रहे इस एस्ट्रोटर्फ के पूरा हो जाने के बाद इंटरनैशनल एथलेटिक्स एसोसिएशन की एक टीम इसको परखने के लिए आएगी और इसके स्टैंडर्ड की जांच करेगी। अगर यह एस्ट्रोटर्फ मानकों के अनुरूप पाया जाता है तो इसको इंटरनैशनल स्तर का सर्टिफिकेट देती है। 8 लेन के बिछाए जाने वाले इस एस्ट्रोटर्फ पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एथलेटिक मीट भी करवाई जा सकती है।

1995 में बिछाया गया था पहला अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एस्ट्रोटर्फ

हरियाणा कृषि के गिरी सैंटर में 1995 में हरियाणा का पहला एस्ट्रोटर्फ बिछाया गया था जिसकी मियाद अमुमन 10 साल की होती है। इतने वर्ष बीत जाने के बाद यह एस्ट्रोटर्फ अब खराब हो चुका था। मियाद खत्म होने के बाद यह इस्तेमाल करने के लायक नहीं रहता। इस एस्ट्रोटर्फ को बिछाने के लिए पहले मैटीरियल जर्मनी से मंगवाया गया था। इस बार मुंबई की एक निजी कंपनी को एस्ट्रोटर्फ बिछाने का ठेका दिया गया है और इस पर बिछाए जाने वाला मैटीरियल इंग्लैंड से आया है। इंग्लैंड से ही दो इंजीनियर आए हुए हैं जो एस्ट्रोटर्फ के बिछाने का कार्य कर रहे हैं।

'अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बिछाए जाने वाले इस एस्ट्रोटर्फ के पूरा हो जाने के बाद हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को काफी लाभ होगा। अंडर ग्रेजुएट विद्यार्थियों के लिए स्पोर्ट्स विषय अनिवार्य है। आधुनिक एस्ट्रोटर्फ उनके लिए एक नया वरदान सिद्ध होगा।'

- डॉ. डीएस दहिया
छात्र कल्याण निदेशक,
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार।